अक्टूबर,2023 / भाग-1 /अंक 10

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर

मासिक पत्रिका

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान
National Inistitute of Fashion Technology

अनुक्रमणिका

1. सतर्कता जागरूकता सप्ताह.....02
2. कारीगर जागरूकता कार्यशाला का उद्घाटन.....04
3. दीक्षांत समारोह का आयोजन.....06
4. "स्वदेशी का महत्व और युवा पीढ़ी के लिए खादी का महत्व" शीर्षक से एक पैनल चर्चा.....09
5. निफ्ट गांधीनगर की गरबा नाइट का भव्य आयोजन.....11
6. "ओपन माइक" का आयोजन.....12
7. ब्रांड्स एंड सोर्सिंग लीडर्स (बीएसएल) एसोसिएशन के केंद्रीय कार्यालय का दौरा.....13
8. निफ्ट,गांधीनगर निदेशक जी द्वारा लेख.....14
9. इंडिया रिसाइकल्स विशेषज्ञ सत्र का आयोजन.....15
10. स्क्रैप से कलाकृति.....16

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

निफ्ट गांधीनगर ने वर्तमान में विचारोत्तेजक विषय के तहत 30 अक्टूबर से 5 नवंबर 2023 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया "भ्रष्टाचार का विरोध करें; राष्ट्र के प्रति समर्पित रहें"2 नवंबर 2023 को मुख्य अतिथि और वक्ता के रूप में श्री वासमसेट्टी रवि तेजा, आईपीएस, एस.पी., गांधीनगर की मेजबानी करने का मौका मिला ।

पैनल चर्चा "समाज में सतर्कता के उपायों और जागरूकता के प्रभाव" पर थी । निफ्ट गांधीनगर के निदेशक प्रोफेसर डॉ. समीर सूद और गांधीनगर के आईपीएस, एस.पी श्री वासमसेट्टी रवि तेजा सत्र के लिए पैनलिस्ट थे और डीवीओ, सुश्री पंचमी मिस्त्री ने पैनल चर्चा का संचालन किया । सत्र के दौरान चर्चा के निम्नलिखित बिन्दु थे।

निफ्ट निदेशक प्रोफेसर डॉ. समीर सूद ने कहा गया कि निफ्ट के छात्रों को यह सुनिश्चित करना होगा कि वे अपने अधिकारों और विशेषाधिकारों के बारे में जागरूक हों क्योंकि कर्मचारीयों को आमतौर पर जानकारी होती हैं| निफ्ट का एक सतर्कता विभाग है जिसमें प्रत्येक परिसर में एक उप सतर्कता अधिकारी होता है, जो आमतौर पर एक संकाय सदस्य होता है | केंद्रीय स्तर पर सीवीओ और राष्ट्रीय स्तर पर सीवीसी की निगरानी होती है । उन्होंने यह भी कहा कि कर्मचारियों और छात्रों को ऐसी किसी भी घटना की रिपोर्ट डीवीओ निदेशक और डीवीओ को करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है जो ऐसे मामलों को संबोधित करने के लिए मौजूद होते हैं । यह निफ्ट की सतर्कता प्रणाली के भीतर पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करता है ।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

चर्चा के दौरान श्री वासमसेट्टी रवि तेजा ने भ्रष्टाचार की बहुमुखी प्रकृति पर प्रकाश डाला जिसमें वित्तीय रिश्वतखोरी, गैर-मौद्रिक प्रलोभन, जबरदस्ती और मिलीभगत प्रथाओं और सरकारी अधिकारियों के सामने आने वाली नैतिक दुविधाओं के बारे में चर्चा शामिल थी । बातचीत में भ्रष्टाचार से निपटने के लिए व्यावहारिक समाधान, पारदर्शिता पर जोर और सकारात्मक उदाहरण दिए गये ।

सत्र के अंत में "भ्रष्टाचार का विरोध करें; राष्ट्र के प्रति समर्पित रहें" विषय पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता के दौरान पुरस्कार जीतने वाले छात्रों के पुरस्कारों की घोषणा की गई । प्रथम पुरस्कार सुश्री राखी सिंह, द्वितीय पुरस्कार सुश्री पलक अग्रवाल और तृतीय पुरस्कार सुश्री ईशा गजानन सादेगांवकर को मिला । इन ज्ञानवर्धक चर्चाओं के अलावा निफ्ट के छात्रों ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया |

कारीगर जागरूकता कार्यशाला का उद्घाटन

2 नवंबर 2023 को निफ्ट गांधीनगर के निदेशक प्रोफेसर डॉ. समीर सूद और गांधीनगर के आईपीएस, एस.पी श्री वासमसेट्टी रवि तेजा ने संयुक्त रूप से एफएमएस विभाग निफ्ट गांधीनगर द्वारा आयोजित कारीगर जागरूकता कार्यशाला का उद्घाटन किया । पारंपरिक भारतीय शिल्प के अंतर्गत हम ऐसे असाधारण कारीगरों से मिलते हैं जो अपनी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखने और बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं । सुश्री शीलाबेन एक कुशल सूफ़ कढ़ाई कारीगर है लेकिन मार्केटिंग ज्ञान की कमी की चुनौती का सामना करना पड़ता है जबकि अजीभाई भाटी सूफ चमड़े के काम में माहिर हैं और न केवल अपनी कला को निखारने के लिए बल्कि अपनी विशेषज्ञता को साझा करने के लिए भी समर्पित है | ये कारीगर भारतीय हस्तशिल्प समुदाय में पाई जाने वाली समृद्ध परंपराओं और अटूट समर्पण के प्रतीक हैं।

भारतीय शिल्प कौशल के एक अन्य पहलू के रूप में श्री वानकर परवेश अपनी पारंपरिक ढाबला बुनाई के व्यवसाय को डिजिटल युग में परिवर्तित कर परंपरा और प्रौद्योगिकी के सामंजस्यपूर्ण मिश्रण का प्रदर्शन सफलतापूर्वक रहे हैं |

कारीगर जागरूकता कार्यशाला का उद्घाटन

इसके अलावा पुरस्कार विजेता रसीला बेन की धुरियां प्रकृति, संस्कृति और शिल्प कौशल के मिश्रण का प्रतिनिधित्व करती हैं जो हाथ से बुने हुए वस्त्रों की बहुमुखी प्रतिभा और कालातीतता को उजागर करती हैं । ये कारीगर भारत की विविध और समृद्ध शिल्प विरासत को संरक्षित रखने और बढ़ावा देने में अग्रणी हैं |

गुजरात के कच्छ क्षेत्र से आने वाले श्री अजीभाई भाटी और भानुभाई चितारा जैसे कारीगरों ने सूफ और माता-नी-पचेडे जैसे शिल्प में असाधारण कौशल का प्रदर्शन किया है । विशेष रूप सेश्री भानुभाई चितारा ने 10-11 महीनों के प्रभावशाली श्रम का निवेश करते हुए एक उत्कृष्ट कृति एक शॉलका निर्माण किया है । ये राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए दिसंबर 2023 में एक आवेदन जमा करने की योजना बना रहे हैं जो उनके असाधारण समर्पण और शिल्प कौशल का एक उत्कृष्ट उदाहरण है |

दीक्षांत समारोह का आयोजन

27 अक्टूबर 2023 को निफ्ट गांधीनगर ने 2023 की कक्षा के लिए दीक्षांत समारोह का आयोजन किया | इस अवसर पर श्री रोहित कंसल, महानिदेशक निफ्ट व अतिरिक्त सचिव वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार,प्रोफेसर डॉ. समीर सूद निदेशक, निफ्ट गांधीनगर और प्रोफेसर डॉ. सुधा ढींगरा, डीन (शैक्षणिक),उपस्थित रहे | दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ दीक्षांत समारोह की शुरुआत हुई। प्रोफेसर डॉ. समीर सूद ने अकादमिक रिपोर्ट प्रस्तुत की उन्होंने बताया की 2023 की कक्षा में 184 यूजी और 82 पीजी छात्र शामिल हैं जिन्होंने अपनी शैक्षणिक यात्रा पूरी कर ली है और उद्योग की चुनौतियों से निपटने और इसके विकास में योगदान देने के लिए तैयार हैं । दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि श्री रोहित कंसल ने 2023 की कक्षा को संबोधित करते हुए संरक्षित वातावरण से नए वातावरण में परिवर्तन के महत्व पर जोर दिया । उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि निफ्ट के छात्रों में जीवन के विभिन्न पहलुओं में उत्कृष्टता हासिल करने और अपने संस्थानों, परिवारों और देश में एक राजदूत के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व करने की क्षमता है।

दीक्षांत समारोह का आयोजन

श्री कंसल ने जॉन एफ कैनेडी की प्रसिद्ध पंक्ति का उल्लेख करते हुए कहा कि "यह मत पूछो कि आपका देश आप के लिए क्या कर सकता है, यह पूछो कि आप अपने देश के लिए क्या कर सकते हो," उन्होंने लोगों को परिवार, समाज और देश को देने के बारे में सोचने के लिए प्रोत्साहित किया | उनके उदाहरणों में माता-पिता का सम्मान करना, सहकर्मियों के प्रति निष्पक्षता, कम विशेषाधिकार प्राप्त लोगों के प्रति सहानुभूति, पर्यावरण के प्रति दयालुता, संवैधानिक कर्तव्यों का पालन करना, तर्कसंगत स्वभाव विकसित करना और 5000 साल पुरानी सभ्यता पर गर्व करना शामिल था । उन्होंने माननीय प्रधानमंत्रियों की आत्मनिर्भर भारत, वोकल फॉर लोकल और अमृत काल की पहल का भी उल्लेख किया, जिसका लक्ष्य भारत को 100 वर्ष पूरे होने तक एक विकसित अर्थव्यवस्था बनाना है।

दीक्षांत समारोह का आयोजन

दीक्षांत समारोह के बाद महात्मा गांधी की 154वीं जयंती मनाते हुए खादी महोत्सव का आयोजन किया गया | खादी महोत्सव के दौरान हाथ से बुने हुए सूती कपड़े खादी को भारत की आर्थिक और राजनीतिक स्वतंत्रता के लिए एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में प्रदर्शित किया गया | कार्यक्रम का उद्घाटन श्री रोहित कंसल महानिदेशक निफ्ट व अतिरिक्त सचिव वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार, श्री ललितकुमार फतेहचंद शाह विशेषज्ञ सदस्य (विपणन) केवीआईसी, आईएएस श्री ललित एन सिंह संधू और कार्यकारी अधिकारी, एएमए निदेशक श्री उन्मेष दीक्षित सहित प्रसिद्ध गणमान्य व्यक्तियों ने किया |

"स्वदेशी का महत्व और युवा पीढ़ी के लिए खादी का महत्व" शीर्षक से एक पैनल चर्चा

निफ्ट गांधीनगर ने खादी और स्वदेशी के सांस्कृतिक, आर्थिक और पर्यावरणीय महत्व को उजागर करने के लिए "स्वदेशी का महत्व और युवा पीढ़ी के लिए खादी का महत्व" शीर्षक से एक पैनल चर्चा की मेजबानी की सुश्री सुमिता अग्रवाल द्वारा संचालित पैनल ने खादी की उत्पत्ति और विकास पर चर्चा की, एक विचारधारा जिसका उद्देश्य स्वतंत्रता-पूर्व भारत में आर्थिक गरिमा, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता प्रदान करना था। पैनलिस्टों ने निफ्ट के युवा फैशन छात्रों को समकालीन दुनिया के लिए खादी को फिर से परिभाषित करने और खादी-संचालित आजीविका के लिए रुझान स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने अर्थशास्त्र और खादी के बीच घनिष्ठ अंतर्संबंध पर भी प्रकाश डाला, एक स्थायी आर्थिक विकास मॉडल के रूप में इसकी भूमिका पर जोर दिया जो स्थानीय कारीगरों और ग्रामीण समुदायों का समर्थन करता है । पर्यावरण शिक्षा केंद्र के निदेशक श्री कार्तिकेय साराभाई ने अपनी अंतर्दृष्टि और अनुभव साझा किए, जबकि श्री ललित नारायण सिंह संधू, आईएएस, एमडी, जीएसएचएसडी ने गुजरात की समृद्ध शिल्प विरासत को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए उत्साहपूर्वक अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की साबरमती आश्रम संरक्षण और मेमोरियल ट्रस्ट के निदेशक श्री अतुल पंड्या ने गांधीवादी सिद्धांतों से अपना जुड़ाव और इन आदर्शों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रचारित करने का अनुभव साझा किया ।

"स्वदेशी का महत्व और युवा पीढ़ी के लिए खादी का महत्व" शीर्षक से एक पैनल चर्चा

सुश्री जय काकानी ने रचनात्मक शिल्प अर्थव्यवस्थाओं के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने और स्थायी आजीविका सुनिश्चित करने के महत्व पर प्रकाश डाला। निफ्ट गांधीनगर के निदेशक प्रोफेसर डॉ.समीर सूद ने स्वदेशी और न्यूनतम जीवन शैली को बढ़ावा देने में महात्मा गांधी की भूमिका का उल्लेख किया। उन्होंने एक प्रभावशाली व्यक्ति के रूप में गांधी की अनूठी भूमिका का भी उल्लेख किया, जिन्होंने स्वदेशी और मितव्ययी या न्यूनतम जीवन शैली को राष्ट्रीय आंदोलनों में शामिल करने के लिए खादी धारण की। उन्होंने आज के टिकाऊ प्रथाओं के आह्वान से एक सदी पहले ही लोगों और ग्रह को बनाए रखने में खादी की भूमिका को समझ लिया था।समापन टिप्पणी के रूप में, निफ्ट गांधीनगर के निदेशक प्रोफेसर डॉ. समीर सूद ने माननीय प्रधान मंत्री के दृष्टिकोण को साझा किया: "खादी राष्ट्र के लिए, खादी फैशन के लिए और खादी परिवर्तन के लिए।" उन्होंने सभी युवा पीढ़ी से खादी को बढ़ावा देने व माननीय प्रधान मंत्री के दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए मिलकर काम करने की अपील की ।

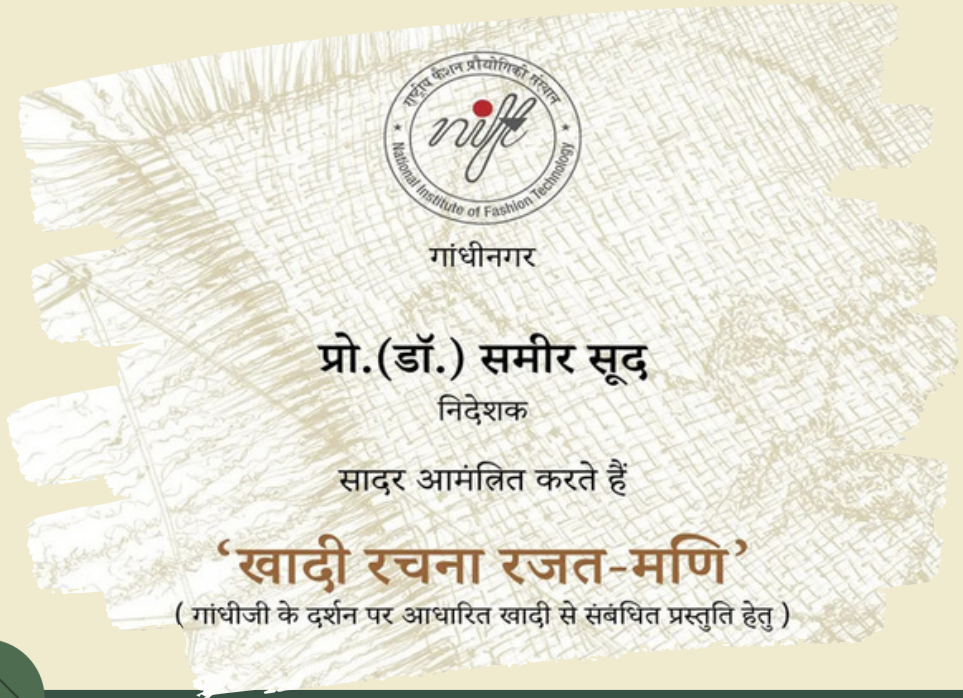

निफ्ट गांधीनगर की गरबा नाइट का भव्य आयोजन

गरबा आयोजन के जीवंत रंगों और लयबद्ध धुनों से निफ्ट गांधीनगर जगमगा उठा हमारे सम्मानित प्रोफेसर डॉ. समीर सूद, निदेशक, निफ्ट गांधीनगर ने अपनी उपस्थिति और उत्साह से इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई । विद्यार्थियों ने मनमोहक धुनों पर थिरकते हुए पारंपरिक नृत्य रूपों में अपनी अविश्वसनीय प्रतिभा का प्रदर्शन किया । विद्यार्थियों के उत्साह और पारंपरिक पोशाक ने शाम की भव्यता बढ़ा दी |

"ओपन माइक" का आयोजन

निफ्ट गांधीनगर के 'साहित्यिक क्लब' द्वारा एक आश्चर्यजनक जीवंत और समावेशी कार्यक्रम, "ओपन माइक" का आयोजन किया गया था । यह मंच कलाकार, संगीतकार और सभी प्रकार के कलाकारों के लिए अपनी प्रतिभा और विशेषज्ञता प्रदर्शित करने के लिए आयोजित किया गया था | यह कार्यक्रम आम तौर पर एक ऐसा मंच प्रदान करने के लिए आयोजित किया गया था जहां महत्वाकांक्षी और अनुभवी कलाकार व्यस्त और प्रशंसनीय दर्शकों के साथ अपना काम साझा कर सकें। ओपन माइक नाइट एक स्वागत योग्य और गैर-आलोचनात्मक माहौल प्रदान करता है जो व्यक्तियों को अपने आराम क्षेत्र से बाहर निकलने और खुद को स्वतंत्र रूप से व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करता है ।

ब्रांड्स एंड सोर्सिंग लीडर्स (बीएसएल) एसोसिएशन के केंद्रीय कार्यालय का दौरा

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (एनआईएफटी), गांधीनगर के निदेशक प्रोफेसर डॉ. समीर सूद ने ब्रांड्स एंड सोर्सिंग लीडर्स (बीएसएल) एसोसिएशन के केंद्रीय कार्यालय का दौरा किया और बीएसएल की शीर्ष प्रबंधन टीम के साथ-साथ फैब इंडिया, ट्रिबर्ग, एलाइडर्स और एआई ग्लोकल से मुलाकात की ।बीएसएल में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय परिधान और कपड़ा ब्रांडों के शीर्ष अधिकारी शामिल हैं । बीएसएल एक विशिष्ट संगठन है जो वैश्विक और स्थानीय दोनों ब्रांडों को एक मंच पर एकजुट करता है । उनकी विविध सदस्यता में 350 से अधिक प्रसिद्ध ब्रांडों और सोर्सिंग कार्यालयों के प्रतिनिधि शामिल हैं जैसे मार्क्स एंड स्पेंसर, जारा, एच एंड एम, आदित्य बिड़ला, अरविंद फैशन, ट्रिबर्ग, न्यूटाइम्स, पीडीएस ग्रुप, स्पाइकर, नाइकी, एडिडास, फ्रेंच कनेक्शन यूके, ली एंड फंग, नेक्स्ट, बेस्टसेलर, मिंत्रा, जीएपी, मैसीज, टारगेट, जॉकी, लैंडमार्क, नायका, फैब इंडिया आदि । यात्रा के दौरान निफ्ट गांधीनगर के निदेशक प्रोफेसर डॉ. समीर सूद ने बीएसएल, फैब इंडिया और ट्रिबर्ग की शीर्ष प्रबंधन टीम के साथ एक सार्थक बैठक की कौशल विकास, वैश्विक बाजार अनुसंधान, बुनियादी ढांचे में वृद्धि, विपणन, आईपी संरक्षण, निर्यात, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, स्थिरता, सरकारी समर्थन और गुणवत्ता नियंत्रण जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारत के हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्र को बढ़ावा देने की रणनीतियों पर चर्चा हुई । चर्चा का फोकस कपड़ा उद्योग के लिए माननीय प्रधान मंत्री के पांच एफ दृष्टिकोण के साथ तालमेल बिठाते हुए इस क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर ऊपर उठाना था । अंत में निफ्ट गांधीनगर के निदेशक प्रोफेसर डॉ. समीर सूद को संस्थापक और राष्ट्रीय महासचिव (बीएसएल), श्री रमन दत्ता और ट्राइबर्ग, फैब इंडिया की शीर्ष प्रबंधन टीम ने बीएसएल ग्लोब ट्रॉफी से सम्मानित किया ।

निफ्ट,गांधीनगर निदेशक जी द्वारा लेख

महात्मा गांधी जी की जयंती पर गुजरात के सभी संस्करणों में दिव्य भास्कर द्वारा प्रकाशित हमारे निदेशक प्रोफेसर डॉ. समीर सूद @sameer.sood.39 का एक विचारोत्तेजक लेख जिसमें "महात्मा गांधी को फैशन स्थिरता के प्रतीक के रूप में दर्शाया गया है"
स्थिरता के प्रति गहरी रुचि रखने वाले सभी कपड़ा प्रेमियों के लिए इसे अवश्य पढ़ें।

इसका हिंदी अनुवाद इस प्रकार है:

आज के पश्चिमी फैशन जगत में स्थिरता की ओर एक महत्वपूर्ण बदलाव आया है। फैशन उद्योग अभी भी सादगी और आत्मनिर्भरता के सिद्धांतों का पालन करता है, जैसा कि महात्मा गांधी ने उदाहरण दिया था। गांधीजी की पोशाक उनके न्यूनतमवादी दृष्टिकोण के बारे में बहुत कुछ बताती है, जो उपभोक्तावाद और वस्त्र उद्योग के शोषण से मुक्ति का प्रतीक है। उनकी पोशाक "सादा जीवन और उच्च विचार" के विचार का प्रतीक है। आज के पश्चिमी फैशन जगत में स्थिरता एक केंद्र बिंदु बन गई है। ब्रांड तेजी से पर्यावरण-अनुकूल सामग्रियों को अपना रहे हैं जो गांधीजी की सादगी, आत्मनिर्भरता और सचेत उपभोग के सदियों पुराने मूल्यों को दर्शाते हैं ।

रीसाइक्लिंग, अपसाइक्लिंग और अपशिष्ट कटौती जैसी आधुनिक फैशन प्रथाएं गांधीजी के "कम ही अधिक है" के शाश्वत संदेश को प्रतिबिंबित करती हैं। पश्चिमी दुनिया अब इन प्रथाओं को अपना रही है, जिससे यह उजागर होता है कि फैशन स्थिरता केवल एक प्रवृत्ति नहीं है बल्कि उद्योग के पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए एक निर्णायक कदम है । वर्षों पहले दांडी मार्च ने भी शक्तिशाली फैशन विविधता का प्रदर्शन किया था, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया था कि टिकाऊ फैशन बदलाव के लिए उत्प्रेरक हो सकता है । टिकाऊ फैशन की जड़ें गांधीवादी विचारों से गहराई से प्रभावित हैं।

महात्मा गांधी का प्रभाव उनके शांतिपूर्ण स्वतंत्रता संग्राम से कहीं आगे तक फैला हुआ है,इसने पश्चिमी फैशन को भी आकार दिया है । आज के टिकाऊ फैशन के वैश्विक चलन की जड़ें गांधीजी के विचारों में हैं | गांधी जी पर्यावरण चेतना, खादी, अतिसूक्ष्मवाद, आत्मनिर्भरता और टिकाऊ फैशन प्रथाओं को बढ़ावा देने में अग्रणी थे।

દિવ્ય ભાસ્કર

અમદાવાદ 02-10-2023

ભાસ્કર વિશેષ | આજના વેસ્ટર્ન ફેશન વર્લ્ડમાં સસ્ટેનેબિલિટી ક્ષેત્રમાં નોંધપાત્ર પરિવર્તન

ફેશન ઇન્ડસ્ટ્રી આજે પણ 'બાપુ'ના સાદગી અને આત્મનિર્ભરતાના સિદ્ધાંતોને અનુસરે છે

અમદાવાદ |

મહાત્મા ગાંધીનો પહેરવેશ તેમના 'મિનિમલિસ્ટિક' અભિગમ વિશે ઘણું કહે છે. કન્ઝ્યુમરિઝમ અને ટેક્સટાઇલ ઈન્ડસ્ટ્રી દ્વારા થતા એક્સ્પ્લોઇટેશનથી દૂર રહેવાનું તે પ્રતીક છે. બાપુના પહેરવેશમાં 'સાદું જીવન અને ઉચ્ચ વિચારસરણી' છે. આજના વેસ્ટર્ન ફેશન વર્લ્ડમાં સસ્ટેનેબિલિટી ક્ષેત્રમાં નોંધપાત્ર પરિવર્તન આવ્યું છે. બ્રાન્ડ્સે ઈકો-ફ્રેન્ડલી મટિરિયલને સ્વીકારવાનું શરૂ કર્યું છે. આ પરિવર્તન ગાંધીજીના સાદગી, આત્મનિર્ભરતા અને માઇન્ડફુલ કન્ઝમ્પશનની વર્ષો જૂની પ્રેક્ટિસને પ્રતિબિંબિત કરે છે. રિસાઇક્લિંગ, અપસાઇકલિંગ, વેસ્ટ રિડક્શન જેવી સસ્ટેનેબલ પ્રેક્ટિસ કે જે આજની ફેશન ઈન્ડસ્ટ્રીમાં જોવા મળે છે, એ ગાંધીજીના 'લેસ ઈઝ મોર'ના ટાઈમલેસ મેસેજને દર્શાવે છે. વેસ્ટર્ન વર્લ્ડ આ પ્રેક્ટિસને આજે અપનાવી રહ્યું છે. તે દર્શાવે છે કે ફેશન સસ્ટેનેબિલિટી એ માત્ર એક વલણ નથી પરંતુ ઈન્ડસ્ટ્રી દ્વારા થતી એન્વાયર્નમેન્ટલ અસરને દૂર કરવા માટે એક નિર્ણાયક પરિવર્તન પણ છે. વર્ષો પહેલાં થયેલ દાંડી માર્ચે ડાયવર્સિટી સાથે પાવરફુલ ફેશનનું પ્રદર્શન પણ કર્યું. તે દર્શાવે છે કે સસ્ટેનેબલ ફેશન પરિવર્તન માટે પ્રેરક બની શકે છે.

સસ્ટેનેબલ ફેશનના મૂળિયાં ગાંધીવિચારથી પ્રભાવિત

ફર્સ્ટ પર્સન

પ્રો.ડૉ. સમીર સૂદ
ડિરેક્ટર, NIFT

મહાત્મા ગાંધીએ માત્ર અહિંસા અને શાંતિમય સ્વાતંત્ર્ય સંગ્રામથી પશ્ચિમી બૌધ્ધિકોને પ્રભાવિત નહોતા કર્યા, પરંતુ સાદગીપૂર્ણ પહેરવેશમાં રહેલી સસ્ટેનેબિલિટી (ટકાઉપણું) અને મિનિમલિસ્ટીક અભિગમ (વણજોતું નવ સંઘરવું) થી પશ્ચિમની ફેશનને પ્રભાવિત કરી હતી. આજે જે સસ્ટેનેબલ ફેશનનો ગ્લોબલ ટ્રેન્ડ છે, એના મૂળિયાં ગાંધીજીના પ્રભાવમાં રહેલાં છે. ગાંધી એન્વાયર્મેન્ટલ કોન્શિયસનેસ જેવા વિચારોના પ્રણેતા હતા. તેઓએ ખાદીનું પ્રમોશન, મિનિમલિસ્ટિક અભિગમ, આત્મનિર્ભરતા અને સસ્ટેનેબલ ફેશન પ્રેક્ટિસનું પ્રારંભિક ઉદાહરણ સ્થાપિત કર્યું.

इंडिया रिसाइकल्स विशेषज्ञ सत्र का आयोजन

स्वच्छ भारत मिशन और मिशन लाइफ गतिविधियों के हिस्से के रूप में, निफ्ट गांधीनगर ने इंडिया रिसाइकल्स की संस्थापक रेनू पोखरना के साथ एक इंटरैक्टिव इंडिया रिसाइकल्स विशेषज्ञ सत्र का आयोजन किया है । इंडिया रीसायकल टीम की विशेषज्ञता और पूर्व स्वामित्व वाले उत्पादों के पुन: उपयोग, रीब्रांडिंग और रीसाइक्लिंग के टिकाऊ मॉडल के ज्ञान ने छात्रों को बहुत अच्छी जानकारी प्रदान की । इंडिया रीसायकल टीम की विशेषज्ञता और पूर्व स्वामित्व वाले उत्पादों के पुन: उपयोग, रीब्रांडिंग और रीसाइक्लिंग के टिकाऊ मॉडल के ज्ञान ने छात्रों को महान अंतर्दृष्टि और अपशिष्ट से धन तक नवाचारों और विकास पर एक परिप्रेक्ष्य प्रदान किया।

स्क्रैप से कलाकृति

निफ्टगांधीनगर के निदेशक प्रोफेसर (डॉ.) समीर सूद के नेतृत्व व एसोसिएट प्रोफेसर एवं सीसी (एफपी)श्री नीलेशकुमार सिद्धपुरा के मार्गदर्शन में "स्वच्छता ही सेवा अभियान" के तहत फाउंडेशन के छात्र अनुराग, आयुष और जयदीप ने स्वच्छता पखवाड़ा समारोह के दौरान एकत्र किए गए स्क्रैप से कलाकृति बनाई ।